

A JOURNEY OF **INNER ALIGNMENT TO UNIVERSE**

WORK BOOK

CREATED AND PROVIDED BY



NITIN SHARMA

NLP PERSONAL TRANSFORMATION COACH



मेरा नाम नितिन शर्मा है।

मैं एक जीवन प्रशिक्षक होने के साथ-साथ एक कवि , एक लेखक , एक वाचक , एक वक्ता , एक पुत्र , एक भाई , एक पति , एक मित्र व एक पिता भी हूं।

यह पाठ्यक्रम किसी भी धर्म या संस्था से जुड़ा हुआ नहीं है । यह केवल विज्ञान , कुछ महान पुरुषों और मेरे प्रिय अध्यापकगणों के अनुभवों की गाथा है । इसी के माध्यम से मैंने भी अपने जीवन में लक्ष्यों को प्राप्त किया है ।

Copyright © 2022 Nitin Sharma NLP personal transformation .

All rights reserved.

E-book by Nitin Sharma NLP personal transformation

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopied, recorded, scanned, or otherwise, except as permitted under copyright law, without the prior written permission of the author.

Notes to the Reader:

While the author of this book have made reasonable efforts to ensure the accuracy and timeliness of the information contained herein, the author and publisher assume no liability with respect to loss or damage caused, or alleged to be caused, by any reliance on any information contained herein and disclaim any and all warranties, expressed or implied, as to the accuracy or reliability of said information. The authors make no representations or warranties with respect to the accuracy or completeness of the contents of this work and specifically disclaim all warranties. The advice and strategies contained herein may not be suitable for every situation. It is the complete responsibility of the reader to ensure they are adhering to all local, regional and national laws.

This publication is designed to provide accurate and authoritative information in regard to the subject matter covered. It is sold with the understanding that the

authors are not engaged in rendering professional services. If legal, accounting, medical, psychological, or any other expert assistance is required, the services of a competent professional should be sought.

Success in any business is result of hard work, time, effort and a variety of other factors. No expressed or implied guarantees of income or spill over are made by reading this work, or by joining and/or purchasing any program(s) recommended within this work. Individual results may vary.

Social Media Connections

<https://www.yourquote.in/ns466087>

<https://twitter.com/NitinSh40330130?t=QAmO9izcZRHcZcCX83C2UA&s=09>

<https://www.quora.com/profile/Nitin-Sharma->

[BRAINTEASER?ch=18&oid=1692972461&share=52c71578&srid=h06uxQ&target_type=use](BRAINTEASER?ch=18&oid=1692972461&share=52c71578&srid=h06uxQ&target_type=use)

<https://www.instagram.com/p/Ci1PA7rJeys/?igshid=YmMyMTA2M2Y=>

<https://youtu.be/zXgNmhX4u04>

<https://www.facebook.com/harshnitin.sharma>

<https://cards.qvcard.com/nitinsharmalifecoach>

<https://www.linkedin.com/in/nitin-sharma-982bb615b>

Code of Honor

Punctuality:

Respect other's time. Show up on time.

Accountability:

Responsibility to finish given days job

Clarity:

Now or Never, do the exercises in real time

Productivity:

Stop procrastination & laziness of asking, I don't know what to do... Let's find it out!

Commitment:

You are investing this time for Yourself & Your future

Raise Your Standards:

Raise Mental standards & Value Standards

Focus:

For success you must develop "Tunnel Vision", Monastic Work

Congruence:

Tune your Body & Mind to one Purpose

Code of Honor

Any Self-transformation needs you to get disciplined and 'Do the work, come what may' . So this course has some rules to be followed by all attendees and have some values that will align you to getting the best out of this Self-transformation Journey with NLP.

Please take a note of these and abide yourselves to the rules.

1. You can attend this course any two way
 - a) you can attend daily .
 - b) you can attend weekend and section wise .
2. You have to finish this course sequentially , you have to all workout that has given in the workbook .
3. You should not miss any section .

If you really want a good result please follow all instructions of this course .

- **Requirement:** COMMITMENT FOR SELF
- **Language of Communication:** English & Hindi

- **Ground Rules:**

- 1. Internet** – Have a stable Internet Connections .
- 2. Headphone** – Use headphone for better audio .
- 3. Stationary** – Make sure you have a fresh Notebook & a Pen.

Course Name: A JOURNEY OF INNER ALIGNMENT TO UNIVERSE .

-What you'll learn

You will learn theory and practice of a journey inner alignment to universe and start benefiting from practice of this course and how to apply it in your day to day life.

-Description:

This course is designed for anyone to easily learn powerful Nlp technique to manifest and Physical & mental health, energy, efficiency and success.

Course is designed by an expert, who has been practicing NLP personal transformation for almost 07 years and teaching with his own methodology for last 2 years.

-About the instructor:

Nitin Sharma

NLP Personal transformation Coach.

NLP Master Practitioner.

NLP Master Healer.

-Who this course is for:

This course is for people who want to achieve their life goals and want to lead a happy healthy and energetic life with complete mental peace & serenity.

-This course includes:

Sections-7, Lectures- 7

Duration of the course – Approx. . 40 minutes

Course Details

Section 1: Introduction.

Lecture: 1:24 Minutes.

Section 2: identity of seeker.

Lecture: 5.22 Minutes.

Section 3: Specify what do you want.

Lecture: 7:12 Minutes

Section 4: Purpose of manifestation

Lecture: 4:42 Minutes.

Section 5: Desire state

Lecture: 6:18 Minutes.

Section 6: Belief

Lecture: 9:37 Minutes.

Section 7: Conclusion.

Lecture: 6:37 Minutes.

FREE BONUS.(Two powerful vislulization and mindfulness)

1. Super sensory Visualization (30:43 Minutes)
2. Identity Affirmation (21:45 Minutes)

End of this course you will find a strategies that you have to follow consistently for better result , I am giving a recipes with all gradient that you have to follow for manifest a good health , wealth, energetic , young and successful life .

SECTION 1.

हर मनुष्य अपने जीवन में चाहता है कि जो भी वो चाहे -

चाहे उसकी इच्छाएं हो , चाहे उसकी वो जरूरतें हो वो सब उसको हासिल होता रहे , लेकिन ज्यादातर लोग हासिल करने में फेल हो जाते हैं वह उस प्रक्रिया को नहीं जानते हैं वह अभिव्यक्त का नियम (Law of menifest) नहीं जानते हैं और अभिव्यक्त का नियम यह कहता है कि विचार और विश्वास और भावनाएं और कार्य यह सब मिलाकर यह प्रक्रिया पूरी होती है हु इस प्रक्रिया के बारे में ना तो जानता है और जानता भी है तो इसको अमल में कैसे लाएं वह यह नहीं जानता है और अगर बार एक बार अपने जीवन में वह से अमल में ले भी आता है और दोबारा किसी वजह से फेल हो जाता है तुम उस प्रक्रिया को झूठी आने लग जाता है उसका विश्वास इस प्रक्रिया से टूट जाता है और यह बात हम जानते हैं कि हमारा अवचेतन मन अगर एक बार किसी चीज को झुठला दे फिर वह प्रक्रिया को कभी पूरा नहीं करता मैं आपके बीच बताऊंगा कि किस तरीके से अभिव्यक्त के नियम को जिंदगी भर के लिए हरपल के लिए हर वस्तु के लिए हर रिश्ते के लिए स्वास्थ्य के लिए किस तरीके से अमल में लाएं और इसकी गहराई में जाकर मैं आपको बताऊंगा कि किस तरीके से यह काम करता है और मैं उम्मीद करता हूं कि आप भी जरूर इस प्रक्रिया को जानने के लिए उत्सुक होंगे ।

SECTION 2

अभिव्यक्ति का नियम law of manifestation -

प्रथम चरण

मनुष्य के पास जो भी जीवन है , या जो भी आने वाला जीवन होता है वह सब उसके विश्वास का नतीजा होता है अगर उसके पास ऐसे विश्वास है जिसमें वह अपने आप को कमजोर समझता है , या उसे यह विश्वास नहीं है कि सृष्टि वह सब देती है जो वो मांगता है । तो मैं आपको बता दूँ अभिव्यक्ति का नियम लागू नहीं होगा । हमें यह पूर्ण रूप से विश्वास होना चाहिए कि सृष्टि हमें वह सब देती है जो हम मांगते हैं चाहे वह फिर हमारी इच्छाएं हो , संसाधन हो , धन हो , रिश्ते हो या बेहतर सेहत हो ।

हमें यह पूर्ण रूप से विश्वास कर लेना चाहिए कि सदियों से एक नियम चलता चला आ रहा है और उस नियम को प्राचीन काल से अमल किया जा रहा है । आपने देखा होगा प्राचीन काल की कोई भी संस्कृति अपने से ऊपर किसी को मानती है । कोई ईश्वर कहता है , कोई अल्लाह कहता है , कोई भगवान कहता है । बेशक उन्होंने सब ने अलग-अलग नाम दिए हैं ।

आज का विज्ञान यह बात को सत्यापित करता है कि जो हमें दृष्टिगोचर है उससे परे भी कुछ है आप अपने विश्वास के लिए उसे कोई भी नाम दे सकते हैं परमपिता परमेश्वर , ब्रह्मांड , यूनिवर्स , अल्लाह या वाहेगुरु आप उसे किसी भी नाम से पुकार सकते हैं और उसे चुन सकते हैं और आपको इस पर पूर्ण विश्वास होना चाहिए तभी यह अभिव्यक्ति का नियम लागू होगा ।

जब हम यह चुन लेते हैं कि हमें कोई देने वाला है

Identity of seeker -

(चाहने वाले की पहचान)

1. Deserving

आपने जिस वस्तु की भी चाह रखी है आपको यह महसूस होना चाहिए कि आप उसके लायक क्योंकि अगर आप यह सोचते हैं कि यह बहुत बड़ी चीज है मैं इसके लायक नहीं हूँ तो इस हाल में आप गलत होंगे और आप अपनी भावनाओं से गलत तरंग फ्रीक्वेंसी छोड़ रहे होंगे आपको उस वस्तु की चाह रखने के लिए अपने आप को यह महसूस करना है कि आप उसके लायक हैं और यह सच बात भी तो है हम भगवान के बनाए हुए वह खूबसूरत वस्तु है जिसमें कोई कमी नहीं है हम जो चाहे वह प्राप्त कर सकते हैं तो हमेशा हमें यह महसूस करना है कि हम उसके लायक हैं ।

2. Blessed

इस सृष्टि में जो भी चीज है वह सब ईश्वर की कृपा से है और उस ईश्वर की कृपा हर वस्तु में हर मनुष्य में है लेकिन समाज के चाल चलन और रहन-सहन के तौर तरीकों से यह विचारधारा बना दी गई है कि कुछ चीजें दुर्भाग्यवश है जबकि यह बिल्कुल भी उचित नहीं है भगवान की बनाई हुई हर वस्तु बहुत कीमती है और हमें उसकी कदर करनी चाहिए चाहे वह हम खुद ही क्यों ना हो उम्मीद करता हूँ कि आप अपने आप को भाग्यशाली मानते होंगे आप मानते हुए कि ईश्वर की कृपा है आप पर ।

3. Positive mind set

साकारात्मक मनुष्य हमेशा विजय होता है रिश्ते में स्वास्थ्य में और अपने जीवन के हर पहलू में ।

क्योंकि वह हमेशा साकारात्मक सोच रखता है , तो जब भी आप कोई भी चाह रखें तो पूर्ण रूप से साकारात्मक होने चाहिए । अगर उसमें रत्ती भर भी नकारात्मकता है तो फिर वही ऊर्जा को प्रवाह नहीं करेगी और फिर उस

वस्तु को प्रकट होने में काफी वक्त लगेगा । ऐसे में मनुष्य धैर्य खो बैठता है और फिर उसे सृष्टि के सारे नियम व्यर्थ लगने लग जाते हैं जबकि यह सत्य नहीं है आपको सृष्टि के नियमों को समझना है जानना है और अपने जीवन में अमल करना है ।

आपको अपने पूरे दिन में कोई भी नकारात्मक भावनाएं नहीं रखनी है आपको हमेशा सकारात्मक रहना है किसी भी दूसरे के शब्दों का अपना मीनिंग नहीं देना है जो जैसी घटनाएं हैं उनको वैसे ही रहने देना है और सभी नकारात्मक वह जहरीले विचारों को त्यागना है और आप उन भावनाओं को बखूबी जानते हैं जिससे भी आपको बुरा लगे आप उस जगह से उन हालातों से दूर जा सकते हैं और इसके लिए आपको बिल्कुल भी तकलीफ नहीं होने वाली यह मैं नितिन शर्मा आपका मित्र आपको कहता है ।

4. Grateful

जो मनुष्य आभार व्यक्त करता है जो भी उसके पास है तो ब्रह्मांड उसे वह सब देता है जो उसको चाहिए और मैं आपको बता दूँ कि आपके पास ईश्वर को आभार व्यक्त करने के लिए बहुत सारे कारण हैं , जो सर्वप्रथम कारण यह है कि आप जीवित हैं आप स्वस्थ हैं और लगभग इसी प्रकार की 10 वस्तुओं को लिखिए जिसके लिए आप आभार व्यक्त करते हैं ।

उसने जब भी सुबह सोकर उठे ईश्वर को तह दिल से धन्यवाद कहें , आप इस बात को समझ सकते हैं कि एक लाख से जादा लोग सुबह नहीं उठ पाते क्योंकि वह मृत्यु को प्राप्त हो चुके होते हैं तो क्या आप ईश्वर इस बात लिए धन्यवाद नहीं कहेंगे कि आप जीवित हैं ।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.
- 7.
- 8.
- 9.
- 10.

5. Love yourself and be happy

प्राचीन काल में आकर्षण के नियम को प्यार का नियम भी कहा जाता था , वैज्ञानिक रूप से यह सत्यापित हो चुका है कि जब हम अपने आपसे बहुत प्यार करते हैं उस समय हम अच्छी मनोदशा में होते हैं और हम ब्रह्मांड में अपनी संवेदना से अच्छी तरंगों का निर्माण कर रहे होते हैं और हम ब्रह्मांड के नियम को बखूबी जानते हैं की ब्रह्मांड का नियम यह कहता है कि हमें हमेशा खुश रहना चाहिए और जब हम खुश होते हैं तो उस समय हम जो भी चाह रखते हैं उसे पाने में यह बहुत सहायक होता है ।

हमारा इस पृथ्वी पर जन्म खुश रहने के लिए हुआ है और प्रकृति की चेतना भी यही चाहती है कि इस पृथ्वी पर जो भी वस्तु है वह बड़े - फूले ताकि प्रकृति एक दूसरे की चाह को पूरी कर सके तो देखना मित्रों हमेशा

खुश रहना कितना अनिवार्य है हमें सारे नकारात्मक संवेदनाओं को त्याग कर खुश रहना चाहिए और यह बहुत आसान है क्योंकि जो भी इस पृथ्वी पर आया है उसका जाना निश्चित है तो जो लोग चले गए हैं उनकी यादों में खुश रहिए और जो लोग हैं उनके साथ खुश रहिए और जो लोग आने वाले हैं उनके प्रेम में खुश रहिए खुश रहना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है ।

Positive affirmation (सकारात्मक अभिवाचन) -

1. I am blessed child of universe.
2. I am Worthy .
3. I am money and prosperity magnet.
4. I love my self .
5. I am happiest person in this world .

1. मैं ब्रह्मांड का धन्य बच्चा हूँ।
2. मैं योग्य हूँ ।
3. मैं धन और समृद्धि चुंबक हूँ।
4. मैं अपने आप से प्यार करता हूँ।
5. मैं इस दुनिया का सबसे खुशनसीब इंसान हूँ।

SECTION 3

Specify what do you want .

ज्यादातर मनुष्य अपने जीवन में जो कुछ भी चाहता है वह उसको हासिल क्यों नहीं कर पाता है ? उसका मुख्य कारण है कि वह उसे स्पष्ट रूप से नहीं चुनता है वह कुछ इस प्रकार चुनता है कि

मुझे बहुत सारा धन चाहिए

मुझे बहुत बड़ी गाड़ी चाहिए

मुझे बहुत सुंदर सा घर चाहिए

मुझे खूबसूरत सी बीवी चाहिए

वह यह तो बता रहा है उसे चाहिए क्या ?

लेकिन वह उस चाहत के लिए स्पष्ट नहीं है मैं बता दूँ कि उदाहरण उदाहरण के तौर पर हमेशा ऐसे समझें कि आप किसी दुकानदार पर जाएं और उससे कहें कि आपको कुछ चावल चाहिए यह बहुत सारी चीनी चाहिए तो आप मेरी इस बात से सहमत होंगे कि आपको वह ना तो चीनी देने वाला है ना ही चावल अभी भी आप उससे क्या मांग रहे हैं क्या लेना चाहते हैं अभी आप स्पष्ट हैं वहीं दूसरी ओर अगर आपसे यह कह कि मुझे 5 किलोग्राम चावल चाहिए 2 किलोग्राम चीनी चाहिए तो वह आपको जरूर देगा इसी प्रकार से हमारा मस्तिष्क काम करता है और मैं आपको एक चमत्कारी बात बताने वाला हूँ जो हमारा विज्ञान सत्यापित कर चुका है कि हमारा मस्तिष्क सीधा ब्रह्मांड की शक्तियों से जुड़ा हुआ है आप दूसरे तौर पर यह भी कह सकते हैं कि जिस ऊर्जा की मैंने बात की है जिस परमपिता परमेश्वर की मैंने बात की है यह उससे सीधा जुड़ा हुआ होता है हमारे जीवन में वही घटित होता रहता है जो उसके अवचेतन मन में होता है और मनुष्य हमेशा उसी की चर्चा करता रहता है फिर चाहे वह नकारात्मक हो या सकारात्मक जो भी आपके अवचेतन मन में होगा वह आपके जीवन में आएगा ।

Seek ! what you want, not what you don't -

जो भी आप चाह रखते हैं यह जिस वस्तु को अपने जीवन में प्रकट करना चाहते हैं वह कुछ इस प्रकार होनी चाहिए कि मैं स्वस्थ होना चाहता हूं मैं बड़ी गाड़ी खरीदना चाहता हूं मैं ₹1000000 कमाना चाहता हूं यह तो बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए कि मैं बीमार नहीं रहना चाहता छोटी गाड़ी में नहीं जीना चाहता यह मुझे इस प्रकार का जीवन नहीं चाहिए जो आपको नहीं चाहिए वह नहीं मानना है जो आपको चाहिए वही मांगना है उसी की चर्चा करनी है , उसी के बारे में सोचना है , उसी के बारे में लिखना है , जो भी कुछ भी करना है हमेशा उस वस्तु के बारे में , उस रिश्ते के बारे में या उस कैरियर के बारे में ; जो आपको चाहिए ऐसा करने से ब्रह्मांड आपको वह सब देगा जो भी आप चाहते हैं।

Possible and Evidence -

हम हम इस तथ्य को वाखो भी जानते हैं कि असंभव चीजों का कभी निर्माण नहीं हो सकता । अगर आप ऐसी वस्तु को अपने जीवन में लाना चाहते हैं जिसे आपका ही मन स्वीकार नहीं कर रहा है आपके अंतर्मन से यह आवाज आ रही है कि यह असंभव है मेरे लिए तो मैं आपको बता दूँ कि वह फिर आपको कभी नहीं मिलने वाला मांगने से पहले यह तय करने की वह आपको संभवतः पूर्ण चाहिए आप किसी भी अस्पष्ट और फिजूल के तथ्यों में ना उलझे ।

मैंने अपने जीवन में वह सब पाया है जो भी मैंने चाहा है। बिल्कुल इसी प्रकार से मैं अपने लक्ष्य को , या जो कुछ भी मुझे चाहिए , मैं निर्धारित करता हूं वह बहुत स्पष्ट होता है संभव होता है ।

उदाहरण के तौर पर आप इसे ऐसे भी समझ सकते हैं अगर आपने अपना लक्ष्य दिल्ली जाने का निर्धारित किया है तो आप अपने माइंड को किस प्रकार से सबूत देंगे कि आप दिल्ली पहुंच गए हैं आप वहां पर किसी स्टेशन पर लिखा हुआ देखेंगे , या किसी दीवार पर ऐसा कुछ ना कुछ जरूर आप देखेंगे , तभी आपको यह पूर्ण रूप से विश्वास होगा की आप दिल्ली पहुंच गए हैं इसी प्रकार से अपने माइंड को साफ , स्वच्छ , संभव और साक्ष्य लक्ष्य दें।

Vision board

आप जिस जगह पर अपना ज्यादा समय बिताते हैं उस जगह पर उस वस्तु की तस्वीर लगा दे आप इसे इस प्रकार भी लगा सकते हैं कि अपने मोबाइल स्क्रीन पर , जहां आप सोते हैं वहां पर या जिस कुर्सी पर आप अपने दफ्तर में बैठते हैं उसके सामने ।

कहने का तात्पर्य यह है कि आप जितनी बार अपने मस्तिष्क में उसी छवि को बनाएंगे उतनी ही बार आपके माइंड में उत्तेजना उत्सुकता की भावनाएं पैदा होंगी और वही आपके जीवन में आएगा ।

SECTION 4

Purpose of manifestation

ज्यादातर लोग अपने जीवन में जिस वस्तु की चाह रखते हैं वह केवल अपने बारे में ही सोचते हैं , मैं यह नहीं कहता कि ब्रह्मांड वह सब आपको नहीं देगा, लेकिन मैं यह जरूर कहता हूं कि इस चीज में हो सकता है आपको वक्त लगे ।

मैंने ये कोर्स इसलिए बनाया है ताकि आपको आपका लक्ष्य या वस्तु जो भी आप चाह रखते हैं वह आपको जल्दी और सटीकता से मिले तो ब्रह्मांड का एक नियम यह भी कहता है कि जब आप सब के बारे में सोचते हैं तो ब्रह्मांड आपको वह चीज शीघ्रता से और सटीकता से देता है ।

उदाहरण के तौर पर आप इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि हम उस परमपिता परमेश्वर को एक पिता के समान समझे और हम उस की औलाद है । यह सच भी तो है , जब भी हम अपने पिता से कोई वस्तु मांगते हैं और यह कहते हैं कि यह प्रॉपर्टी मुझे अपने लिए चाहिए तो जाहिर सी बात है कि वह आपको देने में थोड़ा वक्त लगाएंगे , क्योंकि उसे अपने हर बच्चे को बराबर और न्याय के साथ सब कुछ देना है । दूसरी ओर अगर हम उसी वस्तु को अपने पिता से कुछ इस प्रकार मांगे कि मुझे अपने लिए और अपने सभी भाई बहनों के लिए चाहिए तो निसंदेह वह आपको शीघ्रता से देगा इससे आपके मन में प्रेम और सकारात्मक भावनाओं की ऊर्जा का निर्माण होगा , और सृष्टि केवल सकारात्मक भावनाओं पर शीघ्र कार्य करती है ।

Transfer energy

इस तथ्य को हम कुछ इस प्रकार समझे कि वैज्ञानिक रूप से यह साबित हो चुका है और हम बखूबी जानते भी हैं । किस ब्रह्मांड में हर चीज ऊर्जा है । मैं भी ऊर्जा हूं , आप भी ऊर्जा हैं , और हर वस्तु ऊर्जा से बनी हुई है । और ब्रह्मांड का एक नियम यह भी कहता है कि जब भी हम कोई चाह रखते हैं तो उसके बदले में हम क्या देते हैं ? और हमारा माइंड ऐसे तथ्य को बखूबी जानता है की हम बचपन से ही इसे तथ्य के प्रोग्राम्ड होते हैं । हम जब भी दुकान पर कोई वस्तु लेने जाते हैं तो हमें वहां कुछ देना पड़ता है । प्राचीन काल से यह नियम चलता

चला आ रहा है अर्थात यह हमारे डी.एन.ए में कुछ इस तरह प्रोग्राम है कि हमें इस बात को समझने में और मानने में बहुत आसानी होती है ।

तो देखा दोस्तों चारों तरफ ऊर्जा ही है , हमें केवल जो मांगना है उसके बदले हम क्या दे सकते हैं ?

उदाहरण के तौर पर आप इससे भी समझ सकते हैं कि आप कोई भी वस्तु चाहते हैं तो उसके बदले आपके पास जो भी है आप देंगे , हो सकता है वह आपका टैलेंट हो विद्या हो या आपकी दया हो । वह चाहे कुछ भी हो सकता है और मैं आपको बताना चाहता हूं कि हर मनुष्य के पास देने के लिए बहुत कुछ है ।

SECTION 5

Desire -

आप जो भी चाहते हैं उसकी मन में इच्छा शक्ति जागृत कर लें ।

बाकी का काम इच्छा शक्ति पर छोड़ दें ।

इस तथ्य से यह साबित होता है कि हमें जो कुछ भी चाहिए उसके बारे में चिंता नहीं करनी , नकारात्मक भावनाएं उस इच्छाशक्ति को या उस वस्तु को जो आप चाहते हैं , आपके जीवन में एक रुकावट बन सकती है

आप पूर्ण रूप से महसूस करते रहे कि आप उस जीवन को जी रहे हैं आप अपने मन में ये नाट्य (Pretend) भी कर सकते हैं कि वह वस्तु आपको मिल गई है , और आप उस में जी रहे हैं । ऐसा करने से आपका माइंड इसकी भावनाओं को आपके शरीर में उत्पन्न करेगा और उन तरंगों को ब्रह्मांड में देगा यह पूर्ण रूप से सहायक क्रिया है । आपको यह जाने की जरूरत नहीं है कैसे होगा आप अपने निजी जीवन में बहुत सारी ऐसी क्रियाएं करते हैं जिसके बारे में आप नहीं जानते उदाहरण के तौर पर आप बिजली को नहीं जानते लेकिन आप उसका भरपूर इस्तेमाल करते हैं अपने मोबाइल को चार्ज करने में इत्यादि।

आपके पास उस वस्तु के लिए पूर्ण रूप से सकारात्मक भावनाएं होनी चाहिए एक उत्तेजना होनी चाहिए कि वह आपको मिल चुका है आप यह भावनाओं को अपने माइंड में इस तरीके से मान ले कि आपके पूरे शरीर में सकारात्मक भावनाएं जागरूक हो जाएं और आप उस वस्तु का प्रेम पूर्ण इस्तेमाल कर रहे हैं उसकी कदर कर रहे हैं , उसमें जी रहे हैं , एक महान रहस्य जो मैंने महान लोगों की किताबों से सीखा और अपने जीवन में भी अनुभव किया और आज यह रहस्य मैं आपको सौंप रहा हूं । ताकि आप भी अपने जीवन में सारी चीजों को वस्तुओं को जो भी आप चाहते हैं प्रकट कर सकें और इस प्रेम्मी जीवन का पूर्ण रूप से आनंद ले सकें ।

SECTION 6

Belief विश्वास करें -

ब्रह्माण्ड आप सभी यह बात जानते हैं कि हमारा ब्रह्मांड निरंतर फैलता चला जा रहा है और वह महाकाय है हमारी कल्पना से भी पड़े और उसमें निरंतर ऊर्जा बढ़ती चली जा रही है अभी थोड़ी देर पहले मैंने आपको यह बताया कि हर वस्तु हर मनुष्य ऊर्जा है तो भली-भांति जो भी वस्तु हम मांग रहे हैं वह भी ऊर्जा ही है तो कहने का तात्पर्य यह है कि ब्रह्मांड में हमें देने के लिए बहुत आयत है लेकिन समाज में हमें कुछ गलत विश्वास दे रखे हैं जिन्हें मैं असत्य विश्वास भी कहूंगा जिसके कारण मनुष्य का अभाव में जीता है और आज मैं आपको इस कोर्स

के द्वारा उस अभाव से हमेशा के लिए निकालना चाहता हूं ताकि आप अर्बन डांस ऑफ यूनिवर्स भेजिए आप एक ऐसी दुनिया में जी जहां ब्रह्मांड पास देने के लिए बहुत है आप जितना मांगते हैं वह उतना ही और ज्यादा बन जाता है इन्हीं कैसा खजाना जिसे हम कुबेर का धन भी कहते हैं ।

it's already yours -

हमें यह बखूबी समझना चाहिए किस दुनिया में जो भी वस्तु है वह सब हमारी है हमें केवल इतना करना है उस वस्तु को अपनी जरूरत और चाह के हिसाब से अपनी और आकर्षित करना है बिल्कुल उसी प्रकार से जिस प्रकार से हवा चारों तरफ विद्यमान है हमें केवल अपने जीवन के लिए उसे अपनी और आकर्षित करना है यह कितना आसान है और जिस दिन से आप ब्रह्मांड के इस बहुतायत के नियम को आप समझेंगे आपका जीवन अगले ही छड़ से बदलना चालू हो जाएगा ।

Your goal towards you -

हम आकर्षण के सिद्धांत को बखूबी समझ चुके हैं यह एक चुंबक की भांति काम करता है अगर आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूर्ण रूप से सकारात्मक है भावनात्मक है और आपको यह विश्वास है तो मैं आपको बताने वाला हूं कि जितनी जहां आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कर रहे हैं उतनी ही चाहा आपका लक्ष्मी आपको प्राप्त करने के लिए कर रहा है हम विज्ञान में एक क्वांटम फिजिक्स को भी जानते हैं जो यह पूर्ण रूप से सत्यापित कर चुकी है की एक जैसे कल ब्रह्मांड में कहीं भी हो वह एक दूसरे को आकर्षित करते हैं और यह बहुत ही चमत्कारी खोज रही है इस दशक की जिसने दुनिया के नजरियों को बदल दिया है और दुनिया को भी ।

Make a story in present tens -

आप सोने से पहले एक डायरी में जो भी वास्तु या रिश्ते अपने जीवन में प्रकट करना चाहते हैं उनके बारे में लिख डालिए उदाहरण के तौर पर आप ऐसा भी लिख सकते हैं कि मैं इस जीवन से बहुत खुश हूं , मैं स्वस्थ हूं और उसके बाद आप वह सब लिख डालिए जो भी आप अपने जीवन में प्रकट करना चाहते हैं आप इस प्रकार

लिखिए कि अगर वह वास्तु आपको मिल गई है तो आप उसमें कैसे जिएंगे और इस प्रकार यह एक जादू की तरह कम करेगा और कुछ ही हफ्तों में आपको एहसास हो जाएगा की ब्रह्माण्ड का जादू आप पर काम करने लगा है ।

SECTION 7

CONCLUSION :

इस कोर्स के बाद आपके अवचेतन मन में एक (कथानक) script पढ़ी होगी आपका चेतन मन एक नए विश्वास से जुड़ा होगा । आपका अवचेतन मन उस ब्रह्मांड से अब जुड़ चुका है आप इस कोर्स को अपने जीवन में हमेशा फायदा ले सकते हैं आप शुरुआत एक छोटी सी चीज से कर सकते हैं और उसे हासिल करने के बाद अपने मन मुताबिक चीजों को अपने जीवन में प्रकट कर सकते हैं इस कोर्स के साथ आपको दो विसुलाइजेशन (Visulisation) दिए गए हैं कृपया उनको लगातार 15 दिन से कीजिए लॉ ऑफ़ वैक्यूम (Law of vaccume) bhi यही कहता है ।

आप पूर्ण रुप से विश्वास कीजिए खुश रहिए और इस विधि को नियम पूर्वक कीजिए मैं नितिन शर्मा तहे दिल से यह कामना करता हूं कि आप स्वस्थ रहें ! धनवान रहें, और अपने जीवन में जो भी चाहे वह हासिल करें ।

धन्यवाद !